भारत सरकार

विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3515

जिसका उत्तर 24 मार्च, 2022 को दिया जाना है ।

डिस्कॉम के पास लंबित बकाया

3515. श्री नितेश गंगा देब:

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या राज्य के स्वामित्व वाली बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के देश में बड़े बकाया भुगतान के लिए पड़े हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) फरवरी, 2022 तक डिस्कॉम के पास बिजली उत्पादन कंपनियों के लगभग बकाया देय का राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री
(श्री आर.के. सिंह)

(क) और (ख) : पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी) लिमिटेड द्वारा प्रकाशित "विद्युत यूटिलिटियों के निष्पादन संबंधी रिपोर्ट 2019-20" में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019-20 की समाप्ति पर डिस्कॉमों हेतु बकाया व्यापार प्राप्य राशियां 2,16,272 करोड़ रुपये थीं। राज्य-वार ब्यौरे **अनुबंध-I** में दिए गए हैं।

(ग) : प्राप्ति पोर्टल पर विद्युत क्षेत्र की उत्पादन कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, फरवरी, 2022 की समाप्ति पर डिस्कॉमों से देय राशियों की कुल धनराशि 1,00,931 करोड़ रुपये है। राज्य-वार ब्यौरे **अनुबंध-II** में दिए गए हैं।

****

अनुबंध-I

लोक सभा में दिनांक 24.03.2022 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 3515 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

****

वर्ष 2019-20 की समाप्ति पर डिस्कॉमों हेतु व्यापार प्राप्य का राज्य-वार विवरण

31 मार्च, 2020 तक की स्थिति के अनुसार	
	व्यापार प्राप्य (करोड़ रुपये)
राज्य क्षेत्र	**212,894**
आंध्र प्रदेश	**9,143**
एपीईपीडीसीएल	2,369
एपीएसपीडीसीएल	6,774
असम	**1,934**
एपीडीसीएल	1,934
बिहार	**6,317**
एनबीपीडीसीएल	2,191
एसबीपीडीसीएल	4,126
छत्तीसगढ़	**5,770**
सीएसपीडीसीएल	5,770
दादरा और नगर हवेली	**284**
डीएनएचपीडीसीएल	284
गुजरात	**2,542**
डीजीवीसीएल	705
एमजीवीसीएल	429
पीजीवीसीएल	591
यूजीवीसीएल	816
हरियाणा	**2,397**
डीएचबीवीएनएल	1,913
यूएचबीवीएनएल	483
हिमाचल प्रदेश	**608**
एचपीएसईबीएल	608
झारखंड	**4,015**
जेबीवीएनएल	4,015
कर्नाटक	**9,155**
बेसकॉम	4,216
चेसकॉम	1,333
गेसकॉम	1,347
हेसकॉम	1,723
मेसकॉम	535
केरल	**2,567**
केएसईबीएल	2,567
मध्य प्रदेश	**9,815**
एमपीएमएकेवीवीसीएल	4,278
एमपीपीएकेवीवीसीएल	2,027
एमपीपीओकेवीवीसीएल	3,510
महाराष्ट्र	**36,366**
एमएसईडीसीएल	36,366
मणिपुर	**560**
एमएसपीडीसीएल	560

मेघालय	**628**
एमईपीडीसीएल	628
ओडिशा	**4,084**
सेसु	2,163
नेस्को यूटिलिटी	848
साउथको यूटिलिटी	399
वेसको यूटिलिटी	675
पुदुचेरी	**1,023**
पुडुचेरी पीडी	1,023
पंजाब	**5,250**
पीएसपीसीएल	5,250
राजस्थान	**4,761**
एवीवीएनएल	591
जेडीवीवीएनएल	1,753
जेवीवीएनएल	2,417
तमिलनाडु	**6,798**
टैंजेडको	6,798
तेलंगाना	**14,889**
टीएसएनपीडीसीएल	6,232
टीएसएसपीडीसीएल	8,658
त्रिपुरा	**243**
टीएसईसीएल	243
उत्तर प्रदेश	**77,931**
डीवीवीएनएल	18,290
केस्को	2,949
एमवीवीएनएल	18,647
पीएवीवीएनएल	10,820
पीयूवीवीएनएल	27,226
उत्तराखंड	**954**
यूपीसीएल	954
पश्चिम बंगाल	**4,860**
डब्ल्यूबीएसईडीसीएल	4,860
निजी क्षेत्र	**3,379**
दिल्ली	**1,030**
बीआरपीएल	417
बीवाईपीएल	297
टीपीडीडीएल	316
गुजरात	**652**
टोरेंट पावर अहमदाबाद	476
टोरेंट पावर सूरत	176
महाराष्ट्र	**552**
एईएमएल	552
उत्तर प्रदेश	**88**
एनपीसीएल	88
पश्चिम बंगाल	**1,056**
सीईएससी	991
आईपीसीएल	65
कुल जोड़	**216,272**

****

अनुबंध-II

लोक सभा में दिनांक 24.03.2022 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 3515 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

****

जेनकोज के लिए राज्यों पर बकाया धनराशि (दिनांक 28.02.22 तक की स्थिति प्राप्ति पोर्टल के अनुसार)

(बकाया धनराशि आंकड़ों में विवादित राशि शामिल नहीं है)

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	**कुल बकाया धनराशियां (करोड़ रुपये)**
अरुणाचल प्रदेश	-
अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	8
आंध्र प्रदेश	7538
असम	5
पश्चिम बंगाल	527
बिहार	684
चंडीगढ़	78
छतीसगढ़	121
दिल्ली	557
दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव	405
गुजरात	337
गोवा	9
हिमाचल प्रदेश	14
हरियाणा	754
जम्मू एवं कश्मीर	6863
झारखंड	3567
केरल	477
कर्नाटक	5240
मेघालय	548
महाराष्ट्र	19278
मणिपुर	45
मध्य प्रदेश	5243
मिजोरम	12
नागालैंड	-
ओडिशा	251
पंजाब	1326
पुद्दुचेरी	24
राजस्थान	10855
सिक्किम	48
तेलंगाना	6889
तमिलनाडु	19442
त्रिपुरा	146
उत्तर प्रदेश	9634
उत्तराखंड	6
कुल	**1,00,931**

[स्रोत: प्राप्ति पोर्टल]

****